"एक्सपर्टस फेवर लिंकिंग आफ रिवर्स" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार

223. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 4 अगस्त, 1991 को 'हिन्दुस्तान टाइम्स' में प्रकाशित "एक्सपर्ट्स फेवर लिंकिंग आफ रिवर्स" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा अधिक जल प्रवाह वाली नदियों की पहचान करने के लिये कोई कार्यवाही की गयी है ;

(ग) क्या पानी की कमी वाले क्षेत्रों की पहचान करने के लिये क्या कोई कार्यवाही की जा रही है ;

(घ) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) इस संबंध में सरकार की भावी रूपरेखा की योजना क्या है ?

जल संसाधन मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) जी, हां ।

(ख) से (घ) राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण ने विभिन्न प्रायद्वीपीय नदियों के अधिशेष जल और उस क्षेत्र में कमी वाले बेसिनों/उप-बेसिनों का पता लगाने के लिये जल संतुलन अध्ययन प्रारंभ किया है । पता किये गये 137 बेसिनों/उप-बेसिनों में से मार्च, 1991 तक 103 के लिये अध्ययन पूरे किये जा चुके हैं । इनमें केरल की पश्चिम की ओर बहने वाली नदियां गोदावरी, कृष्णा, पेन्नार के बेसिन/उप-बेसिन और तमिलनाडु की नदियां सम्मिलित हैं ।

(ङ) प्रायद्वीपीय क्षेत्र में अधिशेष जल वाले बसिनों से जल की कमी वाले बेसिनों को जल के स्थानांतरण हेतु 17 जल स्थानांतरण सम्पर्कों की प्रारंभिक व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार किये जाने का प्रस्ताव है । पम्बा–अचनकोविल–बैगई संपर्क समेत ऐसे 7 संपर्कों पर रिपोर्टें पूर्ण कर ली गई हैं । शेष 10 जल स्थानांतरण संपर्कों के लिये रिपोर्ट आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान पूर्ण किये जाने का प्रस्ताव है ।

दिल्ली दुग्ध योजना और मदर डेयरी द्वारा दूध प्राप्त किया जाना

224. **श्री रजनीत सिंह :**
श्री राम जेठमलानी :
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली और देश के अन्य महानगरों में भी दूध की किल्लत अनुभव की जा रही है ;

(ख) क्या सरकार दूध उत्पादकों से सीधे दूध प्राप्त करने के लिए वर्तमान साधनों के अतिरिक्त अन्य उपायों पर भी विचार कर रही है ;

(ग) यदि हां, तो इसके संबंध में ब्यौरा क्या है और क्या यह सच है कि दिल्ली दुग्ध योजना तथा मदर डेयरी कतिपय निश्चित संस्थाओं से ही दूध खरीदते हैं; यदि हां, तो उनके नाम क्या हैं; और

(घ) हाल ही में दूध उत्पाद उद्योग को लाइसेंस मुक्त किए जाने के बाद क्या सरकार ने निश्चित संस्थाओं की बजाय दूध उत्पादकों से सीधे अथवा अन्य संस्थाओं से दूध प्राप्त करने की कोशिश की है; यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?